हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
Page No 06 : Right Middle

गलत खानपान से बढ़ रहा वायरस

माइक्रोकान 2020

बरेली | हिन्दुस्तान संवाद

एसआरएमएस में चल रही यूपी-यूके माइक्रोकान-2020 के दूसरे दिन शुक्रवार को माइक्रोबॉयोलाजिस्ट ने अपने शोध पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने बढ़ते एंटीबॉयोटिक्स के चलन की वजह से मानव शरीर पर उनके बेअसर होने पर चिंता जताई। उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के तरीके बताए।

एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शुक्रवार को माइक्रोकॉन के दूसरे दिन कार्यक्रम का उद्घाटन डा. बीएल शेरगिल और डा. गोपाल नाथ ने किया। डा. बीएल शेरवाल ने बीमारियों की जांच में माइक्रोबॉयोलाजिस्ट की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। डा. शेरवाल ने कोरोना वायरस के प्रकोप के लिए खानपान की आदतों को जिम्मेदार ठहराया। बीएचयू से आए डा. गोपाल दास ने बताया कि समस्या की जड़ सैंपल जांच के बाद ही पता चल पाती है। इसलिए सही रिपोर्ट के लिए माइक्रोबॉयोलाजिस्ट की भूमिका बहुत जरुरी है। एसजीपीजीआई लखनऊ की डा.उज्ज्वला घोषाल ने क्लीनिकल माइक्रोबॉयोलाजी की भूमिका बढ़ाने पर अपने विचार रखे। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने नए वायरस के बढते प्रभाव पर अपने विचार रखे।